भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *118
उत्तर देने की तारीख 28.07.2025

राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन

***118. श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल :**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जुलाई 2025 तक राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन के अंतर्गत गुजरात में कितने जनजातीय समुदाय शामिल किए गए हैं;

(ख) क्या दक्षिण गुजरात के वलसाड और डांग जिलों में एक समर्पित सांस्कृतिक केंद्र या मानचित्रण केंद्र स्थापित करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) वर्ष 2023 से अनुसूचित जनजातियों की संस्कृति के संवर्धन हेतु योजना के अंतर्गत किए गए वित्तीय आवंटन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन' के संबंध में दिनांक 28 जुलाई, 2025 को माननीय संसद सदस्य श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *118 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): संस्कृति मंत्रालय ने ग्रामीण स्तर पर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, संवर्धन और प्रलेखन करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुन: सुदृढ़ करने की संभावनाओं का पता लगाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) की स्थापना की है। एनएमसीएम के अंतर्गत अनुरक्षित 'मेरा गांव मेरी धरोहर' (एमजीएमडी) पोर्टल पर भारतीय गांवों की अनोखी परंपराओं, शिल्पों, पर्वों, मौखिक इतिहासों और अन्य मूर्त और अमूर्त विरासत तत्वों को अभिलेखित करते हुए विस्तृत सांस्कृतिक मानचित्रण तैयार किया गया है। एमजीएमडी पोर्टल पर डेटा का गांव-वार रख-रखाव किया जाता है, समुदाय-वार नहीं।

गुजरात राज्य में कुल 19271 गांव हैं जिसमें से 5884 जनजातीय गांव हैं। इनमें से 4913 गांवों का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

(ख): जी, नहीं। तथापि, वलसाड और डांग जिले पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (डब्ल्यूजेडसीसी) के कार्यक्षेत्र के अधीन हैं, जो जनजातीय संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित करता है। उल्लेखनीय कार्यक्रमों में डांग में आयोजित डांग दरबार महोत्सव और आणंद में जनजातीय समुदायों को समर्पित 30वां जनजातीय महोत्सव शामिल हैं। डांग दरबार महोत्सव को प्रलेखित किया गया है और राठवा नी घेर नृत्य को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची के लिए अनुशंसित किया गया है। डब्ल्यूजेडसीसी द्वारा मुख्य महोत्सवों में राठवा, मेवासी, डांग और सिद्दी जैसे जनजातीय समुदायों को भी शामिल किया जाता है।

(ग): 'अनुसूचित जनजातियों की संस्कृति का संवर्धन' नामक कोई स्कीम मौजूद नहीं है। तथापि, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) को जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, परिरक्षण और संवर्धन हेतु 'अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना' (डीएपीएसटी) के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। वर्ष 2022-23 से एनएमसीएम के लिए डीएपीएसटी के तहत वर्ष-वार आवंटन निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	आवंटन (करोड़ रुपए में)
2022-23	2.61
2023-24	2.80
2024-25	2.80
2025-26	8.07

*****